CCI NG 3.7 Product: HelloDelhiBS PubDate: 14-03-2026 Zone: HelloDelhi Edition: 1 Page: HDFP User: cci Time: 03-13-2026 15:19 Color:

नवभारत टाइम्स NBT Delhi Times OF INDIA
SATURDAY, MARCH 14, 2026
ADVERTORIAL, ENTERTAINMENT, PROMOTIONAL FEATURE
masala mix

दुबई में बेटी के साथ फंसीं लारा दत्ता अब सुरक्षित भारत वापस आ चुकी हैं

मिडल ईस्ट में तनाव के चलते दीपिका ने छोड़ा पैरिस का इवेंट

@deepikapadukone

मिडल ईस्ट देशों ईरान और इस्राइल के बीच युद्ध की वजह से दीपिका पादुकोण को एक इंटरनैशनल इवेंट छोड़ना पड़ा है। दीपिका को फ्रांस की राजधानी पैरिस में इस फैशन इवेंट में शामिल होना था। माना जा रहा है कि यह इवेंट पैरिस फैशन वीक था। वह इस इवेंट में जाने की पूरी तैयारियां भी कर चुकी थीं। लेकिन मिडल ईस्ट में जारी तनाव के चलते फ्लाइट्स पर जो असर नजर आ रहा है, उसे देखते हुए दीपिका ने इस इवेंट में जाना कैंसल कर दिया।

खराब हवा पर हुईं नाराज़

दीपिका ने मुंबई की खराब होती हवा पर अपनी चिंता जाहिर की। उन्होंने अपने सोशल मीडिया पर शहर के एयर क्वालिटी इंडेक्स मैप का एक स्क्रीनशॉट शेयर किया, जिसमें खतरनाक प्रदूषण लेवल दिख रहा है। इसके साथ उन्होंने लिखा, 'इस शहर के नागरिक और बच्चों का दम घुट रहा है! यह कैसे ठीक है?' दीपिका ने इसके साथ ही बृहन्मुंबई म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन (BMC) को भी टैग किया है।

सुनील ग्रोवर

'हाव भाव को कॉपी करना मिमिक्री नहीं होता है'

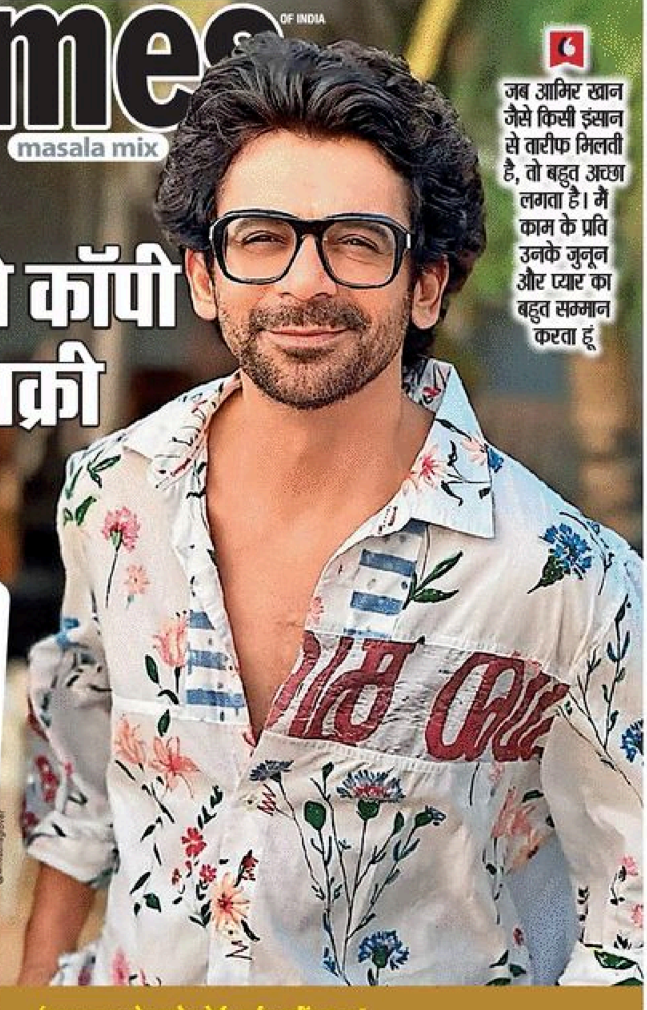

जब आमिर खान जैसे किसी इंसान से तारीफ मिलती है, तो बहुत अच्छा लगता है। मैं काम के प्रति उनके जुनून और प्यार का बहुत सम्मान करता हूं

नेहा माहेश्वरी

आमिर खान, शाहरुख खान, सलमान खान और यहां तक कि गुलजार साहब की शख्सियत को कोई पर्दे पर आसानी से दर्शा सकता है, तो वह सिर्फ सुनील ग्रोवर कर सकते हैं। किसी भी लुक और हाव-भाव को वह इतने बेहतरीन अंदाज से अपनाते हैं कि देखने वाला भी हैरान रह जाता है। खुद आमिर खान भी सुनील ग्रोवर के इस अंदाज की तारीफ कर चुके हैं। हमसे हुई खास बातचीत में सुनील ने अपने काम, तारीफों और स्टारडम पर बात की। सुनील किसी की भी आवाज और उसके हाव-भाव को इतने बेहतरीन तरीके से कैसे पर्दे पर उतार पाते हैं? इस सवाल के जवाब में वह कहते हैं कि वह खुद भी नहीं जानते कि यह कैसे होता है। वह कहते हैं, 'यह बस हो जाता है। हम तो करते रहते हैं और कई बार चीजें क्लिक कर जाती हैं। यह अपने आप होता है। मैं इसे एक तोहफे की तरह देखता हूं, और मैं इसे बचाने और संवारने की कोशिश करता हूं।'

CONTINUED ON 3

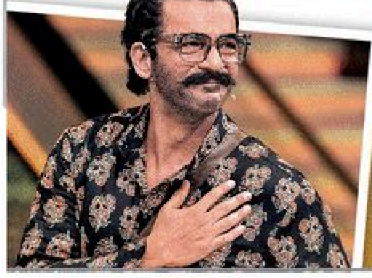

@whosunilgrover

'स्टारडम से मुझे कोई फर्क नहीं पड़ता'

हाल ही में वह आमिर खान के लुक में नजर आए तो आम लोगों ने ही नहीं खुद आमिर ने भी उनकी खूब तारीफ की। सुनील ने कहा, 'जब आमिर खान जैसे किसी इंसान से तारीफ मिलती है, तो बहुत अच्छा लगता है।' वहीं उनके स्टारडम के बारे में वह कहते हैं, 'स्टारडम बहुत अच्छी चीज है। मगर मैं उनके काम का फैन हूं। मुझे आर्टिस्ट का आर्ट और उनका नजरिया डराता है। स्टारडम से मुझे कोई फर्क नहीं पड़ता।'

ये आंखें किस अभिनेत्री की हैं?

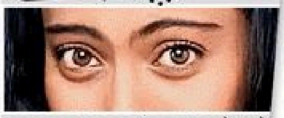

इस सवाल का जवाब ढूंढकर आप हमें अपने नाम के साथ ईमेल करें या वॉट्सऐप करें।

हमें ईमेल कर सकते हैं dtmmresponse@timesofindia.com

वॉट्सऐप करें 9220747220

सब्जेक्ट में लिखें PEHCHAAN

सवाल का जवाब देने के लिए QR कोड को स्कैन करें और सही जवाब को लिखें।

पिछले सवाल का जवाब है **रेखा**

सही जवाब देने वाले पाठक हैं, गौरव मदान • अमर देव • हरि शर्मा शुक्ला • सुदेश कुमारी • दीप्ति सागर • केके कपूर • सचिन जैन • अविका जैन

Buzzstop

कुमार सानू को मानहानि मामले में हाई कोर्ट से राहत

कुमार सानू का पूर्व पत्नी रीता भट्टाचार्य संग विवाद काफी चर्चा में रहा। इसको लेकर सिंगर ने पूर्व पत्नी, डिजिटल प्लेटफॉर्म्स और अज्ञात लोगों के खिलाफ मानहानि की याचिका दायर की थी। अब दिल्ली हाईकोर्ट ने उन्हें पर्सनैलिटी राइट्स के तहत अंतरिम सुरक्षा प्रदान की है। कोर्ट ने मानहानि करने वाली सामग्री के प्रसार और प्रकाशन पर रोक लगाई है। साथ ही डिजिटल प्लेटफॉर्म्स को कानून के अनुसार कार्रवाई करने का निर्देश दिया।

गौरतलब है कि कुमार सानू ने पूर्व पत्नी और अन्य लोगों के खिलाफ याचिका में बिना परमिशन उनकी तस्वीरें व्यावसायिक लाभ कमाने के लिए इस्तेमाल करने का आरोप लगाया था।

वायरल ऑडियो पर रश्मिका मंदाना हो गईं नाराज़

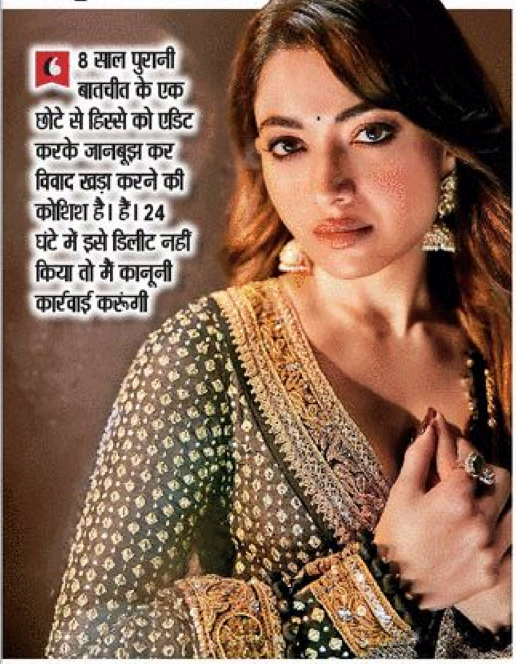

@rashmika_mandanna

8 साल पुरानी बातचीत के एक छोटे से हिस्से को एडिट करके जानबूझ कर विवाद खड़ा करने की कोशिश है। हैं। 24 घंटे में इसे डिलीट नहीं किया तो मैं कानूनी कार्रवाई करूंगी

रश्मिका मंदाना से जुड़ा एक ऑडियो वायरल हो रहा है जिसमें एक महिला की आवाज है। कहा जा रहा है कि यह महिला रश्मिका की मां हैं, जो रश्मिका के पूर्व मैनेजर रक्षित शेट्टी को लेकर कुछ आरोप लगा रही हैं। ऑडियो सामने आने के बाद रश्मिका बेहद नाराज हो गई हैं। उन्होंने इसे अपनी प्राइवेसी पर हमला बताते हुए कानूनी कार्रवाई की बात कही है।

रश्मिका ने सोशल मीडिया पर एक लंबे-चौड़े पोस्ट में लिखा, 'जब तक यह हमला मुझ तक सीमित था, तो मैं चुप थी। लेकिन अब इसमें दूसरों को भी घसीटा जा रहा है, तो अब मैं शांत नहीं बैठ सकती। ऐसा लगता है कि 8 साल पुरानी हमारी निजी बातचीत को बिना हमारी सहमति और जानकारी के फैलाया गया है। उस बातचीत के एक छोटे से हिस्से को एडिट करके जानबूझकर विवाद खड़ा करने की कोशिश की गई है। यह उस समय हो रहा है जब मेरी जिंदगी में कुछ नई चीजें हो रही हैं। लोग किस हद तक गिर सकते हैं!'

'डिलीट करें वरना करूंगी शिकायत'

रश्मिका ने कहा, 'उन्होंने मेरे परिवार और उन लोगों को भी शामिल कर लिया है, जिनके साथ मेरे अच्छे रिश्ते हैं। उनका इस मामले से कोई लेना-देना भी नहीं है। यह निजता का गंभीर उल्लंघन है।' अभिनेत्री ने वायरल ऑडियो को तुरंत हटाने की चेतावनी देते हुए कहा है कि अगर 24 घंटे में इसे नहीं हटाया जाता है तो वह कानूनी कार्रवाई करेंगी।

सूरज बड़जात्या की बेटी के रिसेप्शन में जुटे सितारे

रानी मुखर्जी कुछ इस अंदाज में नजर आईं

सूरज बड़जात्या अपने परिवार के साथ

पार्टी में पहुंचे सलमान खान

फिल्म निर्माता सूरज बड़जात्या की बेटी ईशा बड़जात्या के वेडिंग रिसेप्शन में बॉलिवुड सितारों का जमावड़ा देखने को मिला। इससे जुड़ी हुई कई तस्वीरें सोशल मीडिया पर वायरल हो रही हैं। इस रिसेप्शन में सूरज बड़जात्या के 'प्रेम' यानी सलमान खान पहुंचे। वहीं आमिर खान बेटे जुनैद के साथ रिसेप्शन में शामिल हुए। इस मौके पर रानी मुखर्जी और रेखा समेत कई स्टार्स पहुंचे।

CONTINUED ON 3

Image generated by AI; for representational purposes only

ऑस्कर सीजन में थिएटरों में लौटीं इंटरनैशनल फिल्में

'द सीक्रेट एजेंट' को चार ऑस्कर नॉमिनेशन मिले हैं और इसे ऑस्कर फिल्म फेस्टिवल 2026 के तहत भारत में रिलीज किया गया है

निहारिका लाल

कई ऑस्कर नॉमिनेटेड फिल्मों का जादू इन दिनों भारतीय सिनेमाघरों में भी देखने को मिल रहा है। दर्शकों को ऐसी फिल्में बड़े पर्दे पर देखने को मिल रही हैं, जो आमतौर पर मल्टीप्लेक्स में रिलीज नहीं होतीं। छोटे बजट की इंडी फिल्मों से लेकर अलग भाषाओं की दमदार कहानियों तक, ये फिल्में भले ही रेगुलर शोज में ज्यादा जगह न पाती हों, लेकिन फिलहाल इन्हें दर्शकों का अच्छा रिस्पॉन्स मिल रहा है। अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर पसंद की गई फिल्मों को सालों तक भारत में थिएटर तक पहुंचने के लिए मुश्किलों का सामना करना पड़ा है। अगर किसी तरह फिल्म रिलीज हो भी जाती थी, तो उन्हें दर्शक बहुत कम मिलते थे। लेकिन अब थिएटर मालिकों का कहना है कि ये फिल्में भले ही ब्लॉकबस्टर कलेक्शन न करें, लेकिन इनके दर्शक बढ़ रहे हैं। इसी वजह से सिनेमाघर अब ऑस्कर सीजन में खास फिल्में दिखाने लगे हैं। इस बदलाव को समझने के लिए हमने दर्शकों और थिएटर मालिकों से बात की।

'दर्शक फिल्म के मूड के साथ खुद को भी पूरी तरह जोड़ लेते हैं'

कुछ दर्शकों के लिए यह अनुभव काफी चौंकाने वाला भी रहा। 40 वर्षीय दर्शक विक्रम मुलाटी बताते हैं कि उन्होंने हाल ही में ब्राजील की ऑस्कर एंट्री 'द सीक्रेट एजेंट' देखी। वह कहते हैं कि फिल्म पुर्तगाली भाषा में है और अंग्रेजी सबटाइटल्स के साथ दिखाई गई लेकिन दर्शक फिल्म के माहौल के साथ पूरी तरह जुड़े हुए थे। लोग उसी तरह रिएक्ट कर रहे थे जैसे किसी हॉलिवुड फिल्म पर करते हैं। मुझे लगा था कि विदेशी भाषा की फिल्मों के दर्शक बहुत कम होते हैं लेकिन यहां ऐसा नहीं दिखा। पिछले कुछ सालों में इंटरनेशनल फिल्मों के लिए दर्शकों की संख्या धीरे-धीरे बढ़ी है।

'सिनेमाघरों में दिख रही हैं दुनिया की बेहतरीन कहानियां'

इंडस्ट्री एक्सपर्ट्स का कहना है कि भारत में अंग्रेजी फिल्मों के दर्शक पहले से ही सीमित हैं और विदेशी भाषा की फिल्मों के लिए यह दायरा और छोटा हो जाता है। हालांकि अब यह दर्शक वर्ग धीरे-धीरे बढ़ रहा है। एग्जीबिटर आमेर बिजली बताते हैं, 'हम कोशिश करते हैं कि भारतीय दर्शकों को दुनिया की बेहतरीन फिल्मों के करीब लाया जाए, खासकर उन फिल्मों के जरिए जिन्हें अकादमी अवॉर्ड्स में पहचान मिली है।' वह आगे कहते हैं कि ऑस्कर नॉमिनेशन अपने आप में गुणवत्ता का प्रतीक होता है। चाहे फिल्म अंग्रेजी में हो या किसी और भाषा में, मकसद यही है कि दर्शक इन्हें बड़े पर्दे पर उसी तरह देख सकें, जैसे फिल्मकारों ने इन्हें देखने के लिए बनाया है।

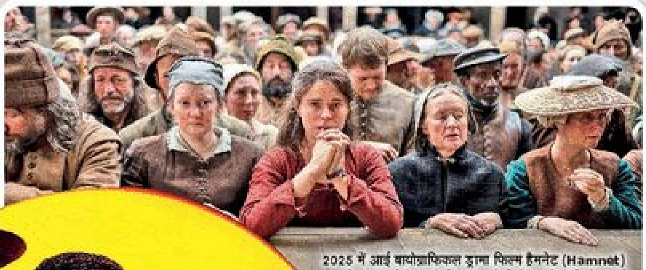

2025 में आई बायोग्राफिकल ड्रामा फिल्म हैमनेट (Hamnet) भी अवॉर्ड्स से पहले पिछले हफ्ते सिनेमाघरों में रिलीज हुई

'ऑस्कर सीजन स्क्रीनिंग देती है फिल्म देखने का दूसरा मौका'

थिएटर मालिकों का कहना है कि ऑस्कर सीजन की स्क्रीनिंग ने दर्शकों को अलग तरह की फिल्मों से परिचित कराने में बड़ी भूमिका निभाई है। इस बारे में 40 वर्षीय दर्शक सीमा डोगरा कहती हैं कि कई बार कोई फिल्म पहले रिलीज हो जाती है और आप उसे देख नहीं पाते। ऑस्कर नॉमिनेशन के बाद वही फिल्म दोबारा चर्चा में आती है और देखने का मन करता है। इस साल की फिल्म 'सेंटिमेंटल वैल्यू' सिनेमाघरों में नहीं लगी, लेकिन इसके ऑस्कर नॉमिनेशन के बारे में सुनकर मैंने इसे स्ट्रीमिंग पर ढूंढा। मुझे आज भी याद है कि मैंने 'Past Lives' भी ऑस्कर नॉमिनेशन के बाद ही देखी थी।

16 ऑस्कर नॉमिनेशन वाली 'सिनर्स' भारत में फिर सिनेमाघरों में।

'नॉमिनेशन और अवॉर्ड के बीच सिनेमाघरों में अंतरराष्ट्रीय फिल्में'

दर्शकों का कहना है कि समय के साथ विदेशी फिल्मों को देखने का अनुभव भी आसान हो जाता है। 30 वर्षीय दर्शक अभिनव दीक्षित कहते हैं कि पहली बार इंटरनैशनल फिल्म देखना थोड़ा मुश्किल लग सकता है, लेकिन पिछले छह-सात सालों में वह इनके साथ काफी सहज हो गए हैं। वह कहते हैं, 'विदेशी भाषा की फिल्में थिएटर में कम ही रिलीज होती हैं, इसलिए जब भी बड़े पर्दे पर देखने का मौका मिलता है, वह खास बन जाता है। साल भर सिनेमाघरों में हॉलिवुड फिल्मों का दबदबा रहता है, ऐसे में ऑस्कर से पहले कुछ विदेशी भाषा की फिल्मों की स्क्रीनिंग सिनेप्रेमियों के लिए अलग अनुभव लेकर आती है। दर्शकों को अलग संस्कृतियों और कहानी कहने के नए अंदाज से रूबरू होने का मौका मिलता है।' 20 वर्षीय दर्शक रिचा नारायण कहती हैं कि जापानी या कोरियन जैसी विदेशी भाषा की फिल्में साल में एक-दो बार ही थिएटर में आती हैं। ऑस्कर नॉमिनेशन के बाद का समय ऐसा होता है जब सिनेमाघरों में अंतरराष्ट्रीय फिल्मों को देखने का मौका मिल जाता है।

FILMY QUIZ?

1. आमिर खान इसमें से किस फिल्म में क्रिकेट खेलते नजर आए हैं?
A) थ्री इडियट्स B) दंगल C) लगान

2. शाहरुख खान की फिल्म चमत्कार किस साल में रिलीज हुई थी?
A) 1992 B) 1966 C) 1983

3. आदिपुरुष में किस अभिनेत्री ने सीता का रोल अदा किया था?
A) सई पल्लवी B) कृति सेनन C) रश्मिका मंदाना

जवाब नाम, सवाल नंबर और सही ऑप्शन (मसलन 1-C, 2-B) के साथ दें। सही जवाब देने वाले चुनिंदा पाठकों के नाम प्रकाशित होंगे। जवाब लिए QR स्कैन करें या 9220747220 पर वॉट्सऐप करें या dtmmresponse@timesofindia.com पर ईमेल करें।

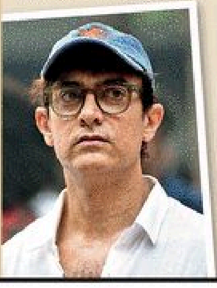

पिछले हफ्ते सही सवालों के जवाब देने वाले पाठकों के नाम हैं:
- सोनम प्रवीन
- शिल्पा अग्रवाल
- शौर्य पारिख
- मोहम्मद इदरिस
- सांची सावरिया
- दीपक सहरावत

क्या देखें, तय नहीं कर पा रहे? तो हम हैं न ...

मधु शाह

सुझा रही कॉमिडी-थ्रिलर ड्रामा

पैरेंटहुड: मुझे पैरेंटहुड देखना बहुत पसंद आया, क्योंकि इसमें परिवार के रिश्तों और जिंदगी की आम परिस्थितियों को बहुत खूबसूरती से दिखाया गया है। यह काफी मनोरंजक भी है।
लिंकन लायर: लिंकन लायर एक बेहद मनोरंजक सीरीज है, जिसमें शानदार अभिनय और मजबूत कहानी है। इसे मैंने शुरुआत से अंत तक एक बार में देखा।
– तन्वी जे. त्रिवेदी से बातचीत के आधार पर।

HOT TAKES

FILM REVIEWS
NOW IN CINEMAS...

सामाजिक कुरीतियों को दर्शाती है ये 'चरक'

चरक
जॉनर : सामाजिक थ्रिलर / सस्पेंस थ्रिलर
★★★½
निर्देशक: शीलादित्य मौलिक
कलाकार: सुब्रत दत्ता, अंजलि पाटिल, साहिदुर रहमान, शशि भूषण, श्रेया भट्टाचार्य, शंखदीप, शोउमल श्यामल

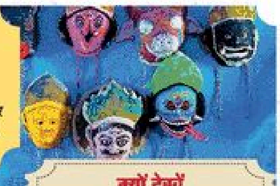

क्यों देखें
रहस्य और सामाजिक संदेश से भरी थ्रिलर फिल्में पसंद हैं, तो यह फिल्म देखें

शॉर्ट रिव्यू
'चरक' एक सस्पेंस से भरपूर सामाजिक थ्रिलर है, जो आस्था और अंधविश्वास के खतरनाक पहलुओं को उजागर करती है। कहानी चांदपुर में लगने वाले चरक मेले से दो हफ्ते पहले शुरू होती है, जहां एक छोटे बच्चे कानू की रहस्यमय हत्या पूरे इलाके को झकझोर देती है। माना जाता है कि संतानहीन दंपति अगर किसी बच्चे की बलि चढ़ा दें तो उन्हें संतान का सुख मिल सकता है। इसी डरावनी मान्यता के बीच यह सवाल उठता है कि क्या कानू की मौत इसी अंधविश्वास का परिणाम है या इसके पीछे कोई और सच्चाई छिपी है। फिल्म का माहौल बेहद प्रभावशाली है। मेले, तांत्रिकों और अघोरियों से जुड़े दृश्य इसे और ज्यादा रहस्यमय बनाते हैं। सिनेमैटोग्राफी और बैकग्राउंड म्यूजिक कहानी के तनाव को लगातार बनाए रखते हैं। कलाकारों ने अपने किरदारों को बेहद वास्तविक तरीके से निभाया है, जिससे कहानी और भी विश्वसनीय लगती है। फिल्म धीरे-धीरे रहस्य की परतें खोलते हुए दर्शकों को सोचने पर मजबूर करती है कि आस्था और अंधविश्वास के बीच की रेखा कितनी पतली हो सकती है।
-धवल रॉय

मॉन्स्टर का दर्द जाहिर करती है 'द ब्राइड'

द ब्राइड
जॉनर: डार्क फैंटेसी ड्रामा
★★★½
निर्देशक: मैगी गिलेनहाल
कलाकार: क्रिश्चियन बेल, जेसी बकले

क्यों देखें
गॉथिक रोमांस, साइंस-फिक्शन कहानी वाली फिल्में पसंद हैं, तो देखें

शॉर्ट रिव्यू
'द ब्राइड' क्लासिक फ्रेंकनस्टाइन कहानी की एक नई और नारीवादी व्याख्या है। फिल्म की कहानी दो ऐसे अकेले और टूटे हुए लोगों के इर्द-गिर्द घूमती है, जो एक-दूसरे में सहारा ढूंढते हैं। 1930 के दशक की पृष्ठभूमि में बनी यह कहानी फ्रेंकनस्टाइन के मॉन्स्टर (क्रिश्चियन बेल) और उसकी ब्राइड (जेसी बकले) के रिश्ते को दिखाती है। सौ साल से ज्यादा समय से जी रहा यह मॉन्स्टर साथ और स्वीकार्यता की तलाश में है, लेकिन उसे डर है कि कोई उसे उसके रूप के साथ स्वीकार करेगा या नहीं।

फिल्म पितृसत्तात्मक समाज में महिलाओं की आवाज दबाए जाने और अकेलेपन जैसे विषयों को सामने लाती है। जेसी बकले का अभिनय बेहद प्रभावशाली है और उनके मोनोलॉग फिल्म की खास ताकत बनते हैं। वहीं क्रिश्चियन बेल ने भी अपने किरदार के दर्द और अकेलेपन को बेहतरीन ढंग से निभाया है। फिल्म का बर्बर माहौल, डार्क विजुअल्स और धीमी लेकिन गहरी कहानी इसे अलग अनुभव बनाते हैं।
-रेणुका व्यावहारे

OTT REVIEW
NOW STREAMING...

पचास साल के रिश्ते की परीक्षा की कहानी

जब खुली किताब
जॉनर - रोमांटिक ड्रामा
★★★½
निर्देशक: सौरभ शुक्ला
कलाकार: पंकज कपूर, डिंपल कपाड़िया, अपारशक्ति खुराना, समीर सोनी, मानसी पारेख, ओटीटी: ZEE5

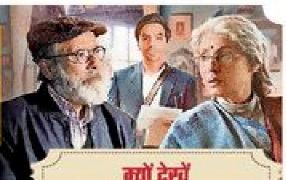

क्यों देखें
परिपक्व रिश्तों और मजबूत अभिनय वाली यह फिल्म देखी जा सकती है।

शॉर्ट रिव्यू
'जब खुली किताब' एक अलग तरह की रोमांटिक ड्रामा फिल्म है, जो उम्र के उस पड़ाव की प्रेम कहानी दिखाती है, जहां रिश्तों की असली परीक्षा होती है। कहानी उत्तराखंड में रहने वाले दंपति गोपाल चंद्र नौटियाल (पंकज कपूर) और अनुसूया (डिंपल कपाड़िया) के इर्द-गिर्द घूमती है। अनुसूया दो साल तक कोमा में रहने के बाद अचानक होश में आती है और अपने पति को एक ऐसा राज बताती है, जो उनके 50 साल पुराने रिश्ते को हिला देता है। सच सामने आने के बाद गोपाल तलाक लेने का फैसला कर लेते हैं और यहीं से भावनात्मक और हल्के-फुल्के हास्य से भरी घटनाओं की शुरुआत होती है। फिल्म रिश्तों में सच्चाई, भरोसे और उम्र के साथ बदलती भावनाओं को संवेदनशील तरीके से दिखाती है। कहानी इस बात को भी छूती है कि लंबे समय से चले आ रहे रिश्ते में सच सामने आने पर इंसान किस तरह खुद को और अपने संबंधों को नए नजरिए से देखने लगता है। पंकज कपूर अपने हर सीन में बेहतरीन लगते हैं, वहीं डिंपल कपाड़िया भी कमाल का अभिनय करती हैं। अपारशक्ति खुराना और समीर सोनी जैसे कलाकार कहानी को मजबूती देते हैं। खूबसूरत लोकेशन, सधी हुई पटकथा और भावनात्मक संवाद फिल्म को और असरदार बनाते हैं।
-धवल रॉय

मशीन और सैनिक का खतरनाक पहलू

वॉर मशीन
जॉनर : एक्शन, एक्शन / साइंस फिक्शन थ्रिलर
★★★½
निर्देशक: पैट्रिक ह्यूजे
कलाकार: एलन रिचसन, अन्य सहायक कलाकार
ओटीटी: नेटफ्लिक्स

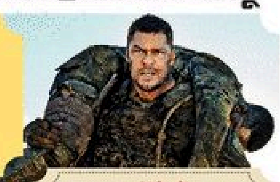

क्यों देखें
एक्शन, सैन्य ड्रामा और टेक्नोलॉजी पर आधारित थ्रिलर पसंद हैं, तो देखें

शॉर्ट रिव्यू
'वॉर मशीन' एक दमदार एक्शन-साइंस फिक्शन थ्रिलर है, जो भविष्य के युद्ध की डरावनी झलक दिखाती है। कहानी एक ऐसे अमेरिकी सैनिक की है, जो अपने अतीत की असफलता और निजी दर्द से जूझ रहा है। वह खुद को साबित करने के लिए दुनिया की सबसे कठिन सैन्य ट्रेनिंग में शामिल होता है। लेकिन अंतिम चरण में उसे और उसकी टीम को एक ऐसे दुश्मन का सामना करना पड़ता है, जो इंसान नहीं बल्कि एक बेहद शक्तिशाली और लगभग अजेय युद्ध मशीन है। फिल्म का सबसे मजबूत पक्ष इसके जबरदस्त एक्शन सीक्वेंस और मशीन का डरावना डिजाइन है, जो लगातार सैनिकों का पीछा करती रहती है। सिनेमैटोग्राफी और प्रोडक्शन डिजाइन फिल्म को बड़े पैमाने का अनुभव देते हैं। हालांकि कहानी कुछ जगह धीमी पड़ती है, लेकिन रोमांच बरकरार रहता है। फिल्म में इंसान और तकनीक के टकराव को भी दिलचस्प ढंग से दिखाया गया है। कई दृश्यों में सैनिकों का डर, हिम्मत और रणनीति कहानी को और रोमांचक बना देती है। युद्ध के माहौल, तेज रफ्तार एक्शन के कारण दर्शक पूरी फिल्म के दौरान जुड़े रहते हैं।
- रौनक कोटेचा

पूरा रिव्यू पढ़ने के लिए https://nbt.in/entertainment/movie-review.cms पर जाएं।

रेटिंग स्केल	
	बकवास ★ | औसत से कम ★★ | औसत ★★½ | औसत से अधिक ★★★ | अच्छी ★★★½ | बहुत अच्छी ★★★★ | आउटस्टैंडिंग ★★★★½ | मास्टरपीस ★★★★★

CCI NG 3.7 Product: HelloDelhiBS PubDate: 14-03-2026 Zone: HelloDelhi Edition: 1 Page: HDMONMAT User: anil.rana@timesofindia.com Time: 03-13-2026 16:02 Color:

@whosunilgrover

खुद कॉपी करता हूं, पर्सनैलिटी राइट्स कैसे मांग लूं: सुनील

CONTINUED FROM ▸ 1

सुनील कहते हैं, 'मैं भी कभी-कभी खुद हैरान हो जाता हूं और सोचता हूं कि क्या मैंने सच में ऐसा कर लिया! कभी-कभी अच्छा नहीं भी हो पाता, लेकिन यह तो काम का हिस्सा है। जब नहीं होता, तब समझ लेना चाहिए कि अभी तैयारी चल रही है।'

इतने सारे किरदारों में जान डालने के बावजूद, वह मानते हैं कि उनकी बेचैनी कभी खत्म नहीं होती। वह कहते हैं, 'इन किरदारों को करते हुए सिर्फ पेट में तितलियां नहीं उड़तीं, बल्कि कभी-कभी ऐसा लगता है कि जैसे अंदर बड़े पक्षी उड़ रहे हैं! दबाव सिर्फ उतना ही होना चाहिए जितना आपको अपना बेस्ट देने में मदद करे। अगर आप बहुत ज्यादा दबाव लेते हैं, तो आप अच्छा परफॉर्म नहीं कर पाएंगे। हमारा काम है कि हम जो करते हैं, उसका मजा लें। असली प्रेशर तब होता है जब कोई काम नहीं होता।'

'छठी से मिमिक्री कर रहा हूं'

सुनील ग्रोवर के अभिनय का सफर बहुत कम उम्र में ही शुरू हो गया था। पुरानी यादों को ताजा करते हुए सुनील बताते हैं, 'मैं छठी क्लास में था, जब मैंने पहली बार राजेंद्र नाथ की मिमिक्री की थी। वह आज भी मेरे फेवरेट हैं और उन्हें स्क्रीन पर देखना मुझे बहुत खुशी देता था। शुरुआत वहीं से हुई, फिर धीरे-धीरे मैं अपने शिक्षकों और रिश्तेदारों की भी नकल उतारने लगा।' क्या इसी ने उनकी कॉमेडी की नींव रखी? इस पर वह कहते हैं, 'मुझे अंदाजा नहीं था कि लोगों को मेरा मिमिक्री करना इतना पसंद आएगा। फिर गुत्थी और मशहूर गुलाटी का दौर आया। अभी इम्पर्सनेशन (किसी और के जैसा लुक लेना) का दौर चल रहा है, देखते हैं कब तक इसका मजा लिया जा सकता है।'

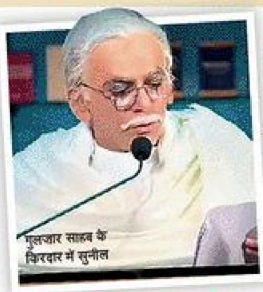
गुलज़ार साहब के किरदार में सुनील

'गुलज़ार साहब की नकल ध्यान से की'

सुनील ने बताया कि उनके सबसे फेमस ऐक्ट को करने में वह झिझक रहे थे। वह कहते हैं, 'गुलज़ार साहब की नकल थी। मैं रात भर सोचता रहा कि इसे कैसा रिस्पॉन्स मिलेगा। वह बहुत सम्मानित व्यक्ति हैं। उन्हें कॉमिक लाइट में पेश करना बहुत ध्यान से करना पड़ा, खासकर इसलिए क्योंकि हम हुनर को सम्मान के साथ मिक्स कर रहे थे।'

'मिमिक्री लोगों का व्यक्तित्व बयां करने का तरीका है'

आज के दौर में, जहां सितारे अपने पर्सनैलिटी राइट्स को लेकर काफी सतर्क हैं, वहीं सुनील इस बात को मजाक में लेते हैं। वह हंसते हुए कहते हैं, 'मैं जो काम कर रहा हूं, मैं चाहता हूं कि उस पर कोई रोक ना लगाए। एक बार एक सहकर्मी ने मुझे सलाह दी कि मुझे अपने पर्सनैलिटी राइट्स सुरक्षित करा लेने चाहिए। मैंने उससे कहा कि भाई, मैं खुद दूसरों की कॉपी कर रहा हूं, तू मुझे क्या पर्सनैलिटी राइट्स की बात कह रहा है। भला मैं किसी को कैसे रोक सकता हूं।' सुनील के लिए किसी की मिमिक्री उतारना सम्मान की बात है। वह कहते हैं, 'जब तक मैं किसी को दिल से पसंद नहीं करता, मैं उनकी नकल नहीं कर सकता। उस व्यक्ति में कुछ ऐसा होना चाहिए जो मुझे प्रभावित करे। मैं इसे सिर्फ मिमिक्री नहीं मानता, बल्कि यह लोगों के व्यक्तित्व को बयां करने का एक तरीका है।'

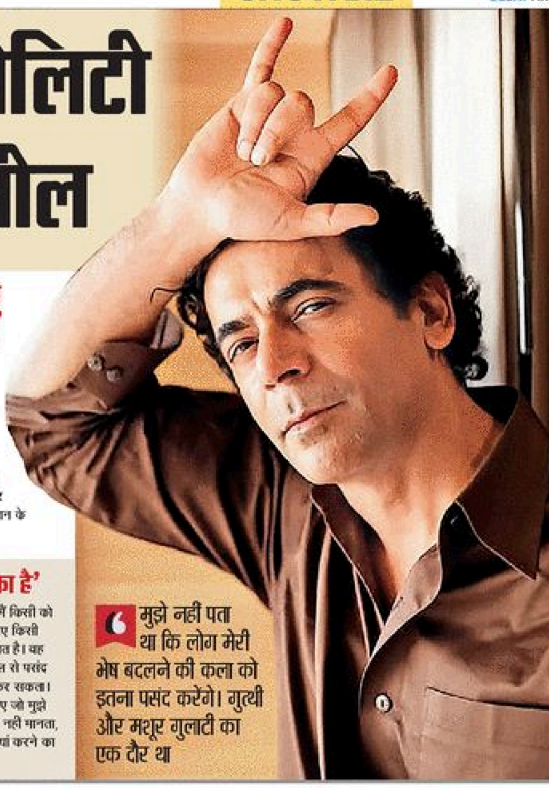

> मुझे नहीं पता था कि लोग मेरी भेष बदलने की कला को इतना पसंद करेंगे। गुत्थी और मशहूर गुलाटी का एक दौर था

'लोगों के प्यार का बहुत शुक्रगुजार हूं'

इंटरनेट और सोशल मीडिया पर मिलने वाले प्यार के बारे में सुनील कहते हैं, 'यह सब इतनी धीरे-धीरे हुआ कि मुझे पता ही नहीं चला। लोकप्रियता के उतार-चढ़ाव को लेकर मैं साहिर लुधियानवी की पंक्तियों 'मैं पल दो पल का शायर हूं', से काफी जुड़ाव महसूस करता हूं। मैं खुद को भाग्यशाली मानता हूं कि मुझे इतना प्यार मिला। कभी-कभी हैरानी होती है कि क्या मैं वाकई इसके लायक हूं! बस ईश्वर का शुक्रगुजार हूं और उम्मीद करता हूं कि जो मुझे पसंद है, उसे करना जारी रख सकूं।'

yogen Shah

रिसेप्शन पार्टी में सितारों ने लगाए चार चांद

अभिषेक कोठारी और उनकी पत्नी ईशा बड़जात्या
अनिल कपूर
जैकी श्रॉफ
विक्की कौशल
बेटे जुनैद के साथ आमिर
शरवरी वाघ
रेखा

फिल्मी डेब्यू करेंगी बिली आइलिश

अपने गानों के लिए दुनियाभर में मशहूर सिंगर बिली आइलिश अब अपना फिल्मी डेब्यू करने जा रही हैं। दरअसल बिली सराह पॉली के निर्देशन में बनने वाली फिल्म द बेल जार में नजर आएंगी। यह फिल्म अमेरिकी लेखिका सिल्विया प्लैथ के मशहूर उपन्यास पर आधारित है। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, पॉली ने अपनी 2023 की फिल्म वुमेन टॉकिंग के लिए बेस्ट एडाप्टेड स्क्रीनप्ले का ऑस्कर जीता था। उसके बाद यह उनका पहला बड़ा प्रोजेक्ट होगा। बिली आइलिश खुद भी दो बार ऑस्कर जीत चुकी हैं। उन्हें फिल्म बार्बी और नो टाइम टू डाइ जैसी फिल्मों के लिए लिखे अपने गानों के लिए ऑस्कर मिला था। गौरतलब है कि बिली आइलिश ने अपने ऐक्टिंग करियर की शुरुआत सीरीज स्वार्म से की थी, लेकिन द बेल जार उनका फिल्मों में पहला प्रोजेक्ट होगा।

जीवन से प्रेरित स्टोरी

द बेल जार अमेरिकी लेखिका सिल्विया प्लैथ के जीवन से प्रेरित एक सेमी-ऑटोबायोग्राफिकल कहानी है। यह कहानी एक युवा महिला के मानसिक बीमारी की ओर बढ़ने और उस पर पड़ने वाले सामाजिक दबावों के इर्द-गिर्द घूमती है। आज के समय में एक क्लासिक माना जाने वाला यह उपन्यास 1963 में एक छद्म नाम के तहत प्रकाशित हुआ था। इसके कुछ समय बाद ही प्लैथ की मात्र 30 वर्ष की आयु में मौत हो गई थी। उन्हीं से पॉली की फिल्म प्रेरित हुई है।

कीथ संग अपने तलाक पर पहली बार बोलीं निकोल

निकोल किडमैन और कीथ अर्बन

निकोल किडमैन ने सिंगर कीथ अर्बन से तलाक पर खुलकर बात की है। इस मुश्किल दौर को याद करते हुए निकोल ने कहा कि वह अपने परिवार के लिए आभारी हैं और उनका पूरा ध्यान इन रिश्तों को सहेजने और जीवन में आगे बढ़ने पर है। एक बातचीत में जब उनसे पूछा गया कि क्या वह कीथ से अलग होने के बाद के इन महीनों में ठीक हैं, तो उन्होंने कहा, 'हां, क्योंकि मैं हमेशा उसी दिशा में बढ़ती रहूंगी जो अच्छी है।' निकोल ने माना कि उनकी प्राथमिकता अपने परिवार को साथ रखते हुए जीवन में आगे बढ़ना है। उन्होंने कहा, 'मैं अपने परिवार के लिए आभारी हूं और उन्हें वैसे ही (एकजुट) बनाए रखते हुए आगे बढ़ना चाहती हूं। बस इतनी सी बात है। बाकी चीजों पर मैं सम्मान की खातिर चर्चा नहीं करती। मेरा नजरिया यही है कि हम एक परिवार हैं और हम हमेशा रहेंगे। मेरी प्यारी बेटियां, मेरी लाडलियां, जो अब अचानक बड़ी हो गई हैं।' गौरतलब है कि निकोल किडमैन और कीथ अर्बन का तलाक 6 जनवरी को नैशविल कोर्ट में फाइनल हुआ। इस कपल की दो बेटियां संडे (17) और फेथ (15) भी हैं।

लंदन की दुकानों में प्रिंस विलियम-केट ने परोसा डिजर्ट

वेल्स के प्रिंस विलियम और प्रिंसेज केट मिडलटन ने बीते दिनों लंदन वालों को एक खास सरप्राइज दिया। दरअसल दोनों राजकुमार और राजकुमारी लंदन की मशहूर बॉरो मार्केट पहुंचे और उन्होंने कस्टमर्स को अपने हाथों से नाश्ता और डिजर्ट परोसा। रिपोर्ट्स के मुताबिक, राजकुमारी केट ने कॉफी बनाने में अपना हाथ आजमाया और अपने पति के लिए कॉफी बनाई। इसके बाद उन्होंने और विलियम ने एक दूसरे स्टॉल पर लोगों को डिजर्ट परोसे। रिपोर्ट्स में बताया गया कि दोनों ने अपने दिन की शुरुआत एक चीज बनाने वाली पुरानी दुकान से की, जो पश्चिमी इंग्लैंड में 1998 से पारंपरिक तरीके से चीज बनाते हैं। इसके बाद प्रिंसेज केट और प्रिंस विलियम चेज प्लेस नाम के कॉफी मेकर्स के पास पहुंचे, जहां बेघर लोगों को कॉफी बनाने की ट्रेनिंग दी जाती है। इसके बाद उन्हें डिजर्ट बनाने वाले हंबल क्रंबल को देखने के लिए भी ले जाया गया। यहां उन्होंने सैलानियों को अपने हाथों से डिजर्ट परोसे। मार्केट घूमने के बाद, कपल बेरमन्डसे बीयर माइल की सैर पर निकला। इस रास्ते पर 20 से ज्यादा दुकानें हैं। 17वीं सदी से ही यह इलाका लंदन की ब्रूइंग इंडस्ट्री का केंद्र रहा है। प्रिंसेज केट ने यहां बीयर बनाने की कोशिश की।

बॉरो मार्केट में प्रिंस विलियम और केट

CCI NG 3.7 Product: HelloDelhiBS PubDate: 14-03-2026 Zone: HelloDelhi Edition: 1 Page: HDINDRAD User: cci Time: 03-13-2026 15:12 Color:

नवाज़ुद्दीन ने पैतृक कस्बे बुढ़ाना में खरीदी 50 बीघा खेती की जमीन

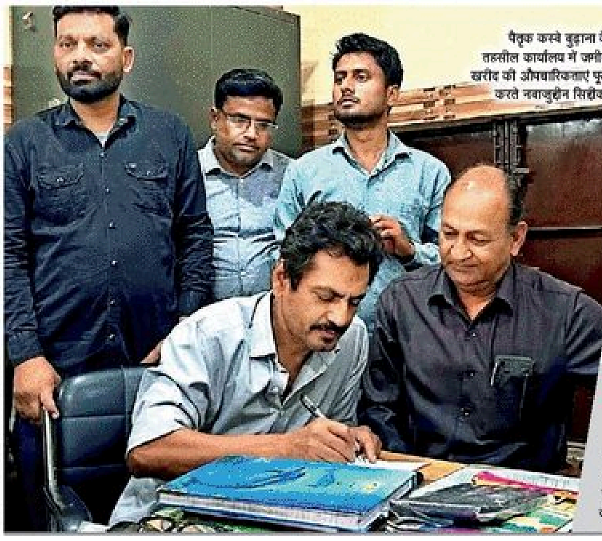

पैतृक कस्बे बुढ़ाना के तहसील कार्यालय में जमीन खरीद की औपचारिकताएं पूरी करते नवाजुद्दीन सिद्दीकी

नवाजुद्दीन सिद्दीकी ने उत्तर प्रदेश के मुजफ्फरनगर जिले में 50 बीघा जमीन खरीदी है। यह जमीन उनके पैतृक कस्बे बुढ़ाना के गांव हुसैनपुर कलां क्षेत्र में है और खेती योग्य है। हाल ही में इस जमीन का बैनामा कराने के लिए वह अपने परिवार के साथ तहसील पहुंचे और जरूरी औपचारिकताएं पूरी कीं। इसका एक विडियो भी सामने आया है। बताया जा रहा है कि नवाज इस साल की ईद अपने पैतृक घर में मनाने के लिए वहां रुक सकते हैं।

गुरुवार दोपहर नवाजुद्दीन सिद्दीकी अपने भाई फैजुद्दीन सिद्दीकी के साथ बुढ़ाना स्थित पैतृक घर पहुंचे। वहां उन्होंने सबसे पहले अपनी मां मेहरुन्निसा से मुलाकात की और फिर भाइयों अलमासुद्दीन सिद्दीकी और मासुद्दीन सिद्दीकी से बातचीत की। इसके बाद सभी लोग कार से तहसील परिसर पहुंचे, जहां उन्होंने अपने एडवोकेट से बातचीत की। इसके बाद ऐक्टर ने सब-रजिस्ट्रार पंकज कुमार जैन की मौजूदगी में जमीन के बैनामे की प्रक्रिया पूरी की।

फैंस में सेल्फी की होड़

नवाजुद्दीन के तहसील पहुंचने की खबर मिलते ही बड़ी संख्या में फैंस वहां पहुंच गए। कई लोगों ने उनसे मुलाकात की और उनके साथ सेल्फी भी ली। नवाज भी वहां कुछ समय तक फैंस के साथ रहे और फिर वहां से निकल गए। मूल रूप से बुढ़ाना के रहने वाले नवाजुद्दीन सिद्दीकी अक्सर अपने गांव से जुड़े रहते हैं। इससे पहले भी वह खेती करने में दिलचस्पी दिखा चुके हैं और किसानों के साथ समय बिताते नजर आए हैं। कुछ साल पहले उन्होंने अपनी जमीन पर पौधरोपण भी किया था। हालांकि तीन साल पहले पारिवारिक विवाद के कारण वह कुछ समय तक बुढ़ाना से दूर रहे थे। अब एक बार फिर वह यहां से जुड़ रहे हैं।

तुम्बाड 2 में दिखेगा अलग अंदाज

नवाजुद्दीन सिद्दीकी आने वाले समय में कई अलग-अलग तरह की फिल्मों में नजर आने वाले हैं। उनकी बहुप्रतीक्षित फिल्म तुम्बाड 2 को लेकर दर्शकों में खास उत्साह है। इससे पहले नवाजुद्दीन ने गैंग्स ऑफ वासेपुर, मांझी: द माउंटेन मैन, बदलापुर और सेक्रेड गेम्स जैसी फिल्मों और सीरीज से खास पहचान बनाई है। इसके अलावा रमन राघव 2.0, रात अकेली है और सीरियस मैन में भी उनकी ऐक्टिंग की खूब सराहना हुई। फिल्म मंटो में लेखक सआदत हसन मंटो की भूमिका के लिए उन्हें साल 2018 में बेस्ट ऐक्टर का पुरस्कार भी मिला था।

नजदीकी दोस्त के निधन पर भावुक हो गए अमिताभ

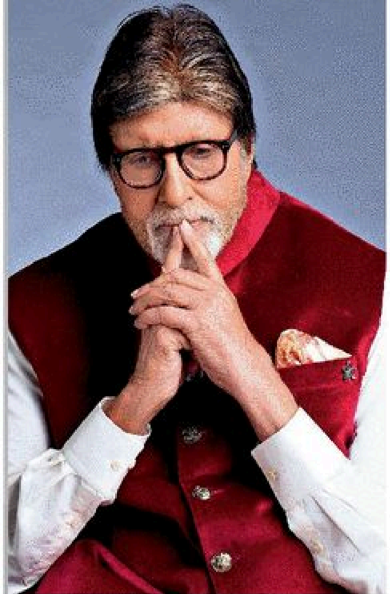

अमिताभ बच्चन ने अपने एक करीबी दोस्त के निधन पर गहरा दुख जताया है। उन्होंने अपने ब्लॉग में भावुक संदेश लिखते हुए कहा कि एक-एक कर उनके कई पुराने साथी उन्हें छोड़कर जा रहे हैं। अमिताभ बच्चन ने लिखा, ' मैंने एक और प्यारा दोस्त खो दिया। एक ऐसा व्यक्ति जो असीम स्नेह और विनोद से परिपूर्ण था। हर परिस्थिति में दृढ़ निश्चयी... सबसे कठिन परिस्थितियों से भी निकलने का रास्ता खोज लेता था। उनके चेहरे पर हमेशा मुस्कान रहती थी। विश्वास ही नहीं होता कि वह अब हमारे बीच नहीं है। एक-एक करके सब हमें छोड़कर चले जाते हैं।' इस पोस्ट के साथ अमिताभ ने रोने वाला इमोजी बनाया है। हालांकि अमिताभ बच्चन ने अपने उस दोस्त के बारे में ज्यादा जानकारी साझा नहीं की है। अमिताभ बच्चन के इस पोस्ट पर कई फैंस उन्हें हिम्मत दे रहे हैं। उन्हें दुख की घड़ी में अपना हौसला बनाए रखने के लिए प्रेरित कर रहे हैं।

> मैंने एक और प्यारा दोस्त खो दिया। एक ऐसा व्यक्ति जो असीम स्नेह से परिपूर्ण था। एक-एक कर सब साथ छोड़ रहे हैं

ऑस्कर जीतने से आप रातों-रात अमीर नहीं बनते: गुनीत

ऑस्कर जीत चुकीं गुनीत मोंगा का कहना है कि ऑस्कर जीतने से अचानक पैसा या आर्थिक सुरक्षा नहीं मिलती, बल्कि इससे पहचान और सम्मान मिलता है। उनके मुताबिक अगर किसी को सिनेमा से सच्चा प्यार हो तो वह कला और कारोबार के बीच बैलेंस बनाना सीख जाता है। एक बातचीत में उन्होंने कहा 'इस सम्मान ने भारतीय कहानियों को वैश्विक मंच पर नई पहचान दिलाई है और दुनिया भर के दर्शक अब भारतीय कहानियों के प्रति ज्यादा उत्सुक हो गए हैं।' उन्होंने कहा 'ऑस्कर जीतने के बाद मेरे लिए कई नए अवसर खुले, लेकिन इसके साथ ही जिम्मेदारियां और उम्मीदें भी बढ़ गईं। ऑस्कर जीतकर रातों-रात अमीर नहीं बनते और न ही वैश्विक पहचान अचानक नहीं मिलती, इसके पीछे लोकल सपोर्ट, अच्छे साझेदार और लगातार मेहनत की जरूरत होती है।' उन्होंने ने यह भी कहा 'भारत में डॉक्यूमेंट्री फिल्मों के लिए अभी भी पर्याप्त आर्थिक सहयोग नहीं है। इस क्षेत्र को आगे बढ़ाने के लिए मजबूत फंडिंग और बेहतर व्यवस्था की जरूरत है।' उन्होंने बताया कि उनकी टीम कभी पुरस्कार के लिए फिल्में नहीं बनाती। उनका ध्यान मजबूत कहानियों को सामने लाने पर रहता है।

NOTE : -

[: राजस्थान पत्रिका , दैनिक जागरण delhi, नवभारत टाइम्स delhi, अमर उजाला delhi, हिन्दुस्तान delhi, Pioneer hindi delhi, जनसत्ता delhi,]

English NEWSPAPERS
[Times Of India delhi, Indian Express delhi, The Hindu delhi, Financial Express delhi, economic times delhi , the Pioneer english delhi , the tribune delhi] ETC.

We are providing all news paper pdf hindi and English want to read daily newspapers by pdf please msg me on telegram

2. आकाशवाणी (AUDIO)

whatsapp Group ka link pane ke liye Newspaper_pdf_bot par jaye.

Click here to contact:-https://t.me/Newspaper_pdf_bot
Or type in Search box of Telegram
@Newspaper_pdf_bot And you will find a channel
BACKUP GROUP LINK
https://t.me/joinchat/5P9EL1JaqoYzNTI1

Hindi-English News Paper Website:- onlineftp.in